मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 27 जुलाई 2017

जेएमआई का पवन हंस लि. से मिल कर बीएससी एयरोनॉटिक्स डिग्री कोर्स शुरू करने का ऐतिहासिक फैसला

राष्ट्र निमार्ण में योगदान को आगे बढ़ाते हुए जामिया मिल्लिया इस्लामिया और भारत की शीर्ष हेलिकॉप्टर सेवा प्रदाता कंपनी पवन हंस लिमेटेड :पीएचएलः ने आपसी सहयोग से तीन वर्षीय बीएससी एयरोनॉटिक्स डिग्री कोर्स शुरू करने का आज ऐतिहासिक फैसला किया। इस कोर्स की सैद्धांतिक पढ़ाई जेएमआई के इंजीनियरिंग विभाग में होगी और व्यवहारिक ज्ञान पीएचएल के विभिन्न संस्थानों में दिया जाएगा।

भारत में किसी केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए जाने वाला अपनी किस्म का यह पहला डिग्री कोर्स होगा।

इस संबंध में जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद और पीएचएल के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक डा बी पी शर्मा की उपस्थिति में जेएमआई के रजिस्ट्रार ए पी सिद्दीकी : आईपीएसः और पीएचएल मानव संसाधन विभाग के कार्यकारी निदेशक टी आर श्रीधर ने आज एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

उल्लेखनीय है कि जेएमआई भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना से मिलकर भी कुछ कोर्स चला रहा है। इसके अलावा इस विश्वविद्यालय की भारतीय सेना के साथ मिलकर एक कोर्स शुरू करने की योजना प्रगति पर है।

सहमति पत्र में कहा गया कि भविष्य में जेएमआई में बीएससी एविएशन डिग्री कोर्स भी शुरू किया जाएगा।

पीएचएल भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यमों की मिनी रत्न श्रेणी में आता है। यह देश का सबसे बड़ा हेलिकॉप्टर सेवा प्रदाता है।

इस अवसर पर प्रो तलत अहमद ने कहा कि राष्ट्र निमार्ण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए आज जेएमआई और पीएचएल के प्रमुख लोग एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश की भविष्य की जरूरतों को देखते हुए यह कोर्स बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगा।

प्रो अहमद ने कहा, '' एयरोस्पेस और सेट्लाईट अनुसंधान के क्षेत्र में हमारे देश ने काफी बुलंदियों को छुआ है लेकिन वैमानिकी में हमें काफी कुछ करने की अभी ज़रूरत है। यह सहमति पत्र देश की वैमानिकी आवश्यकताओं को पूरा करने और जेएमआई का अनुसंधान स्तर बढ़ाने, दोनों के लिए एक नया अध्याय साबित होगा।''

उन्होंने कहा कि वैमानिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना देश की सुरक्षा के लिए भी ज़रूरी है।

इस कोर्स के लिए विज्ञान एवं गणित के साथ 12 वीं की बोर्ड परीक्षा पास करने वाले लड़के और लड़कियां दोनों आवेदन कर सकते हैं। जेएमआई के नियमों के अनुरूप इस कोर्स के आवेदकों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी।

यह कोर्स स्व वित्तपोषण के तहत होगा। प्रो अहमद ने कहा कि अमीर ही नहीं बल्कि कम आय वाले परिवारों के बच्चे भी यह पढ़ाई कर पाएं, इसके लिए बैंको के जरिए रिण दिलाने की व्यवस्था की गई है।

जाामिया कोऑपरेटिव बैंक लि के अध्यक्ष एमक्यूएच बेग ने आश्वासन दिया कि उनका बैंक इस कोर्स के लिए ज़रूरतमंद छात्रों को कम दरों पर रिण मुहैया कराएगा।

पीएचएल के अध्यक्ष डा शर्मा ने कहा, '' आज ऐतिहासिक दिन है जब एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय जेएमआई और भारत की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर सेवा प्रदाता मिनी रत्न कंपनी ने देश की भविष्य की ज़रूरतों को ध्यान में रख कर आपस में हाथ मिलाया है। ''

डा शर्मा ने बताया कि भारत में विमान सेवा प्रति वर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। अगले 3 से 5 साल में इससे कहीं अधिक संख्या में विमान परिचालन सेवा में होंगे। उन्होंने बताया कि एक विमान के रख रखाव में 30 इंजीनियरों की ज़रूरत होती है। अगले कुछ सालों में जब विमानों की संख्या में बेतहाशा इज़ाफा होगा तो अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि कितने अधिक रख रखाव इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ेगी।

जेएमआई इंजीनियरिंग विभाग के डीन महताब आलम ने कहा कि यह बहुत चुनौती भरा कोर्स है लेकिन विश्वविद्यालय के प्रशासन की मदद से इसे अच्छे से चलाने में सफलता मिलेगी।

पीएचएल में डिप्यूटी चीफ एयरक्राफ्ट इंजीनियर और जेएमआई के इंजीनियरिंग विभाग से विमान रख रखाव का डिप्लोमा कोर्स करने वाले मुहम्मद अमीर ने यह डिग्री कोर्स शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर

ज्ञतनजप